प्रकाशनार्थ

पटना, 25 अप्रैल। बिहार के प्रसिद्ध सांख्यिकीविद् और अर्थशास्त्री प्रोफेसर प्रभात पी घोष की स्मृति में आज आद्री द्वारा एक शोक सभा का आयोजन किया गया। प्रोफेसर घोष आद्री के सदस्य-सचिव थे। आद्री के अध्यक्ष श्री हरीश खरे ने अपने परिचयात्मक उद्बोधन में कहा कि डा. घोष नवोदित शोधकर्ताओं के लिए एक बहुत ही बुद्धिमान और उत्साही सलाहकार थे। अपने शिल्प में हमेशा पूर्णता की तलाश करने के लिए उन्होंने प्रोफेसर घोष की सराहना की।

पूर्व उप-मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य श्री सुशील कुमार मोदी ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि डा. घोष का लोक वित्त का ज्ञान बहुत गहरा था और वे इसमें किसी से पीछे नहीं थे। स्वर्गीय प्रोफेसर जटिल इकोनोमेट्रिक आंकड़ों को नीति-निर्माण की वास्तविक दुनिया में क्रियान्वित करने में सक्षम थे। योजना एवं विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अरुणीश चावला ने भी डा. घोष के इस विशेष गुण को दोहराया। श्री चावला के अनुसार उनके पास अन्य उत्कृष्ट गुण भी थे। वे त्रुटिहीन अखंडता, पूण व्यावसायिकता और तीक्ष्ण समझ वाले व्यक्ति थे। श्री शिवानंद तिवारी ने याद किया कि कैसे वे कई मुद्दों पर प्रोफेसर घोष की सलाह लेते थे।

श्रीमती किरण घई ने कहा कि शैबाल गुप्ता और प्रभात पी घोष की जोड़ी के कारण आद्री द्वारा प्राप्त गौरवशाली ऊंचाइयां अनंत काल तक बनी रहेंगी। श्री प्रेमकुमार मणि ने कहा कि वे दोनों आद्री को एक बौद्धिक महाशक्ति बनाने के लिए जिम्मेदार थे जिसने वर्षों से लोगों को प्रेरित किया है।

वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव डा. एस. सिद्धार्थ ने बिहार आर्थिक सर्वेक्षण के प्रकाशन की शुरुआत में उनकी अग्रणी भूमिका के लिए उनकी प्रशंसा की। पूर्व विदेश सचिव श्री मुचकुंद दुबे ने कहा कि वे एक पुनर्जागरण पुरुष होने के साथ-साथ एक अच्छे पारिवारिक व्यक्ति भी थे। आईएचडी के श्री अलख नारायण शर्मा ने कहा कि डा. घोष एक महान शोधकर्ता, शिक्षक और पूर्णतावादी थे।

इस अवसर पर बोलने वाले अन्य लोगों में डॉ. निर्मल सेनगुप्ता, प्रजेता प्रसाद घोष (भाई), देशकाल के संजय कुमार सिंह, डा. उषाशी गुप्ता, डा. गेरी रोजर्स, प्रो. एम.

गोविंदा राव, डा. रोमर कोरिया, आइवी दासगुप्ता, सुमंतो नियोगी, प्रतीची के शब्बीर अहमद, जे डी महिला कॉलेज की डा. नंदिनी मेहता, डा. अंजिनी कोचर, बीएमजीएफ के देवेंद्र खंडैत और डॉ. हेमंत शाह।

कार्यक्रम का समापन करते हुए आद्री की कोषाध्यक्ष डा. सुनीता लाल ने उनके साथ अपने 33 साल से काम करने के अनुभव को साझा किया और कहा कि उनके पास एक साफ दिल था और उनमें हास्य की एक महान भावना भी थी। कार्यक्रम का संचालन दिवंगत प्रोफेसर के पुत्र श्री प्रबुद्ध घोष ने किया।

(अंजनी कुमार वर्मा)